'खेती के साथ किसान भी वैज्ञानिक तरीकों से पशुपालन कर रोजगार दे सकते हैं'

बीकानेर, (कासं)। वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास के संबंध में देशभर से आये 87 किसानों तथा पशुपालकों को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए सात दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों और पशुपालकों को भेड़ एवं बकरी पालन के वैज्ञानिक तरीके, पोषण, प्रबंधन, नियमित टीकाकरण के बारे में विस्तार से बताया गया।

वहीं उद्यमिता व स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करने हेतु विभिन्न फर्मों का भ्रमण, हैण्डस आन ट्रेनिंग, विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण प्रकिया की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का समापन सोमवार को विश्वविद्यालय के आई.ए.बी. एम. सभागार में हुआ। समारोह में अनुसंधान निदेशक डॉ. एन. के. शर्मा ने कहा कि किसानों और पशुपालकों को आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि की तरफ जाना होगा। खेती के साथ वैज्ञानिक तरीकों से पशुपालन अपना कर किसान पशुपालक अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा सकते हैं।

वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के सात दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों एवं पशुपालकों को अनुसंधान निदेशक डॉ. एन. के. शर्मा ने प्रमाण पत्र वितरित किए।

- **देशभर से आये 87 किसानों तथा पशुपालकों को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण दिया**
- **प्रशिक्षण में किसानों और पशुपालकों को भेड़ एवं बकरी पालन के वैज्ञानिक तरीके, पोषण, प्रबंधन के बारे में बताया गया**

पशुपालक प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अपने जीवन में प्रायोगिक तौर पर अपनाएं।

अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. विजय प्रकाश ने किसानों को मिलकर सहभागिता मॉडल पर काम करने एवं भेड़ बकरी पालन व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन में तकनीक हस्तांतरण वर्तमान की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण से किसान पशुपालक निश्चित तौर पर लाभान्वित हो सकेंगे। प्रशिक्षण में जम्मू, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के किसानों ने भागीदारी निभाई तथा अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ शंकरलाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत 14 महीनों में इस संबंध में सात प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी अपने आसपास के लोगों के साथ साझा करने की अपील की। डॉ. कुलदीप प्रकाश शिंदे ने आभार व्यक्त किया। डॉ. शंकरलाल ने बताया कि प्रशिक्षण में किसानों को विश्वविद्यालय स्थित समन्वित कृषि प्रणाली इकाई में सिरोही बकरी पालन, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान बीकानेर में मगरा, चोकला, मारवाडी भेड़ों की नस्लों के फार्मों, राजूवास बीकानेर के विभिन्न फार्मों का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान विभिन्न नस्लों से परिचित करवाते हुए वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन की जानकारी दी गई है। पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलगुरू डॉ. सुमंत व्यास को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (इज्जतनगर) की अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

ओवरटेक में तीन गाड़ियां भिड़ी

श्रीगंगानगर,(कासं)। यहां नेशनल हाईवे-62 पर सोमवार सुबह तेज स्पीड और ओवरटेक के चक्कर में तीन गाड़ियां आपस में भिड़ गई। इस हादसे में दो रेलवे पुलिस के जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 बजे श्रीगंगानगर से सूरतगढ़ की ओर जा रही तीन तेज स्पीड गाड़ियां एक-दूसरे को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। सबसे आगे टोयोटा रूमियन चल रही थी। उसके पीछे मारूति स्विफ्ट और सबसे पीछे महिन्द्रा एक्सयूवी थी। महिन्द्रा एक्सयूवी में रेलवे पुलिस फोर्स के 2 कांस्टेबल सवार थे।

गांव ताखरावाली के पास स्विफ्ट कार ने आगे चल रही टोयोटा को ओवरटेक करने की कोशिश की। ठीक उसी समय पीछे से आ रही महिंद्रा एक्सयूवी ने भी स्विफ्ट को ओवरटेक कर लिया। महिन्द्रा के ओवरटेक करते ही टोयोटा के ड्राइवर ने घबराहट में गाड़ी सड़क के नीचे उतार दी। इससे डरकर स्विफ्ट कार के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक मार दिया और कार पलट गई। पीछे आ रही महिंद्रा एक्सयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में महिन्द्रा एक्सयूवी में सवार दोनों रेलवे पुलिस कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सार-समाचार

अपशिष्ट के निस्तारण का प्रशिक्षण

पशुधन निरीक्षकों को पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित प्रबन्धन एवं निस्तारण का प्रशिक्षण दिया।

बीकानेर, (कासं)। पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट निस्तारण तकनीकी केंद्र, राजुवास बीकानेर द्वारा बीकानेर संभाग के विभिन्न पशु चिकित्सालयों व पशु उपकेन्द्रों पर कार्यरत पशुधन निरीक्षकों का जैव अपशिष्ट के उचित प्रबंधन और निस्तारण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. कुलदीप चौधरी अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, क्षेत्र बीकानेर ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पशुओं के रोग निदान और उपचार कार्यों में चिकित्सकीय अपशिष्ट का सही निस्तारण मानव और पशु जगत के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कार्यों को अन्य पशु चिकित्सकों, पशुधन सहायकों, संबंधित स्टाफ एवं प्रयोगशाला सहायक तक जन जागरूकता के रूप में पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए केन्द्र की प्रमुख अन्वेषक डॉ. दीपिका धूड़िया ने कहा कि जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित निस्तारण एवं प्रबंधन के प्रति जागरूगता वर्तमान परिपेक्ष में अति आवश्यक हो गई है। पशुचिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को इसका प्रायोगिक ज्ञान होना बहुत आवश्यक है ताकि वे स्वयं को एवं समाज को संक्रामक बीमारियों के प्रकोप से बचा सके तथा वातावरण को प्रदूषित होने से भी बचा सके। केन्द्र के सह-अन्वेषक डॉ. देवेन्द्र चौधरी ने पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के पृथक्करण का प्रायोगिक विवरण दिया एवं डॉ. वैशाली, सहायक आचार्य ने पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के निस्तारण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस प्रशिक्षण समारोह में डॉ. हेमलता का सहयोग रहा। प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

'अवैध भूजल दोहन को रोकें'

एडीएम सिटी रमेश देव ने अवैध भूजल दोहन की रोकथाम के लिए सलाहकार समिति की बैठक ली।

बीकानेर, (कासं)। जिले में अवैध भूजल दोहन की रोकथाम के संबंध में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव एवं उपखंड अधिकारी महिमा कसाना की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में भूजल विभाग, जिला उद्योग केन्द्र, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान राज्य ओधौगिक विकास एवं रीको सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण केन्द्रीय बैंच, भोपाल के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहे अवैध भूजल दोहन पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम द्वारा बिना अनुमति प्राप्त संचालित टयूबवैल/बोरवेल से किए जा रहे अवैध भूजल दोहन को रोकने हेतु भूजल निकासी संरचनाओं को अविलम्ब सील करने एवं उनका विद्युत संबंध को अविलम्ब विच्छेद की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। भविष्य में नए विद्युत कनेक्शन प्रदान करते समय संबंधित औद्योगिक इकाईयों से यह सुनिश्चित कराया जाए कि वे अवैध भूजल दोहन नहीं करेंगे। साथ ही संबंधित विभाग से भूजल आपूर्ति हेतु अनुमति प्राप्त करेंगे। इसके लिए अनिवार्य रूप से शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। जिले के समस्त संबंधित उपखण्ड अधिकारियों एवं प्रभारी अधिकारियों को निर्देषित किया गया कि जिले में कहीं भी अवैध भूजल दोहन किया जाना पाया जाता है, तो अवैध भूजल दोहन के विरूद्ध निरंतर निगरानी एवं प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 15 से 21 के प्रावधानों के तहत कठोर कदम उठाए जायेंगे।

जिला अस्पताल डिजिटल होगा

बीकानेर, (कासं)। एसडीएम जिला अस्पताल को पूर्ण रूप से डिजिटल करने की तैयारी चल रही है। यह शत प्रतिशत डिजिटल होने वाला प्रदेश का पहला जिला अस्पताल हो सकेगा। अभी तक ये सुविधा बड़े प्राइवेट व कॉरपोरेट अस्पतालों के साथ- साथ सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार के विभिन्न संस्थानों जैसे एम्स, ईएसआई, रेलवे के अस्पतालों में मिल रही थी। केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिला अस्पताल में मरीजों का समस्त कार्य आयुष्मान भारत (आभा) आईडी के माध्यम से किया जायेगा। इसके लिए भारत सरकार द्वारा संचालित आईएचएमएस पोर्टल को आभा आईडी से जोड़ा जा चुका है, जिससे आईएचएमएस पोर्टल के साथ- साथ आधार कार्ड व मोबाइल नंबर से ही मरीजों की आभा आईडी बनाई जा सकेगी और मरीजों को स्कैन एंड शेयर की सुविधा मिल सकेगी। इससे मरीज के पंजीकरण से लेकर चिकित्सक के बीमारी की जांचों के साथ डायग्नोसिस, उपचार, डिस्चार्ज, रेफरल और फॉलोअप तक की संपूर्ण प्रक्रिया का डिजिटलीकरण किया जायेगा। मरीज आभा आईडी के माध्यम से घर बैठे आयुष्मान भारत और आरोग्य सेतु एप्लीकेशन के द्वारा अस्पताल में अपाइंटमेंट बुक करा सकेंगे। मरीज को इन सभी प्रक्रियाओं की समय- समय पर अपडेट की जानकारी रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मिलेगी। अंत मे मरीज को मिलने वाले उपचार की कीमत की भी जानकारी मैसेज और पोर्टल पर मिलेगी। मरीजों के इलाज का संपूर्ण विवरण रियल टाइम में रिकॉर्ड होगा।

छात्रा का नहीं हुआ पोस्टमॉर्टम, गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन

बीकानेर, (कासं)। आठवीं बोर्ड की परीक्षा देने घर से निकली 13 वर्षीय छात्रा के हत्यारों का कोई सुराग नहीं लगा है। परिजन और ग्रामीण हॉस्पिटल में धरने पर बैठे। अभी तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।

एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए 10 टीमें गठित की गई है। कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ है। परिजनों से लगातार वार्ता जारी है। पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। परिजनों ने दर्ज कराई एफआईआर में दुष्कर्म की आशंका भी जताई है। ऐसे में पुलिस इस एंगल से भी गहन जांच कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि हत्या से पहले दुष्कर्म हुआ था या नहीं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना को राज्य को शर्मसार करने वाली बताया है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिए और फास्ट ट्रैक अदालत के माध्यम से उन्हें कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए। गहलोत ने राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल भी खड़े किए हैं। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने स्वयं एसपी कावेन्द्र सिंह सागर से फोन पर बातचीत कर अब तक की जांच की जानकारी ली और मामले का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए।

- **बज्जू थाना क्षेत्र के रणजीतपुरा में आठवीं बोर्ड परीक्षा देने गई नाबालिग बालिका की दुष्कर्म के बाद की हत्या**

इसके अलावा विधायक अंशुमान सिंह भाटी, पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और महेन्द्र गहलोत भी मौके पर पहुंचे और घटना पर चिंता जताते हुए विरोध दर्ज कराया। वहीं अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राज्य महासचिव डॉ. सीमा जैन ने बीकानेर जिले के बज्जू थाना क्षेत्र के रणजीतपुरा में एक नाबालिग बालिका के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म और हत्या की घटना पर गहरा रोष जताया और निंदा की है।

उन्होंने कहा कि घटना के दो दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपियों का पुलिस की गिरफ्त से बाहर होना प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। डॉ. जैन ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि एक मासूम के साथ इतनी बर्बरता हुई और प्रशासन अब तक ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा है। आरोपियों को अविलम्ब गिरफ्तार किया जाए। पुलिस की ढिलाई को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए ताकि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। पीड़ित परिवार को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए। मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

आवारा कुत्तों के हमले में नीलगाय घायल

नोखा, (कासं)। चिताणा गांव की अमलाई नाड़ी स्थित स्कूल के पास आवारा कुत्तों के झुंड ने एक नील गाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया।

नीलगाय की आवाज सुनकर अमराराम जांगू और ओमप्रकाश भाम्भू मौके पर पहुंचे। उन्होंने साहस दिखाते हुए नील गाय को कुत्तों के चंगुल से बचाया। इसके बाद लक्ष्मण जांगू और किसनाराम जांगू की मदद से घायल नीलगाय को सुरक्षित स्थान पर लाया गया। नोखा बजरंग चिताणा को सूचना दी गई, जो डॉक्टर भगवान शर्मा के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल नीलगाय का प्राथमिक उपचार कराया।

बाद में वन विभाग की नोखा टीम को बुलाकर नीलगाय को उनके सुपुर्द कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के पास आवारा कुत्तों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे स्कूल आने-जाने वाले छात्र भी भयभीत रहते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों से निजात दिलाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और बच्चों की सुरक्षा बनी रहे।

थम्भ पूजन से पारंपरिक होली की शुरूआत

बीकानेर, (कासं)। मरूधरा की सांस्कृतिक पहचान बनी बीकानेर की पारंपरिक होली की शुरूआत सोमवार को परकोटे के भीतर विभिन्न चौकों में थम्भ पूजन के साथ हो गई। परंपरा के अनुसार मोहल्लों के चौक के बीच लकड़ी का थम्भ स्थापित कर विधिवत पूजा की गई। इसी के साथ शहर में फाग, रम्मत, गेर और स्वांग से सजी उत्सव की श्रृंखला शुरू हो गई है, जो 3 मार्च तक जारी रहेगी।

बीकानेर की होली अपनी विशिष्ट रम्मत, फक्कड़पन और लोक रंग के लिए देशभर में जानी जाती है। अलग-अलग चौक में प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे। बीकानेर के जिन चौक में सोमवार को थम्भ पूजन हुआ, उनमें मरूनायक चौक, कीकाणी व्यासों का चौक और लालाणी व्यासों का चौक प्रमुख है। 24 फरवरी से भांग सम्मेलन से रम्मत तक, मोहता चौक में भांग सम्मेलन, बड़ा गोपालजी मंदिर में फागोत्सव, नत्थूसर गेट पर फक्कड़दाता की रम्मत। 26 फरवरी को फाग महोत्सव और मेहरी रम्मत, दोपहर में लक्ष्मीनाथ मंदिर में श्री श्याम फाग महोत्सव, बिस्सा चौक में भक्त पूर्णमल की रम्मत, भट्टड़ों के चौक में स्वांग मेहरी रम्मत, लक्ष्मीनाथ मंदिर में फूलों की होली। 27 फरवरी को गेर, फागोत्सव और पारंपरिक रम्मत, व्यास जाति की गेर, धरणीधर मंदिर में फागोत्सव, कीकाणी व्यासों के चौक में जमनादास कल्ला रम्मत, बारह गुवाड़ में दाऊजी महाराज स्वांग व मेहरी रम्मत। 28 फरवरी को खेल, धमाल तथा हर्षो और व्यासों के बीच पानी डोलची खेल, आचार्य चौक में अमर सिंह राठौड़ रम्मत, मरूनायक चौक में हड़ाऊ मेहरी रम्मत, जस्सूसर गेट पर चंग पर धमाल,नत्थूसर गेट के अंदर फागोत्सव रथ यात्रा, बारह गुवाड़ चौक में नोटंकी शहजादी रम्मत।

- **फाग, रम्मत, गेर और स्वांग से सजी उत्सव की श्रृंखला**

एक मार्च करे बारह गुवाड़ में हड़ाऊ मेहरी रम्मत, दो को होलिका दहन, 3 मार्च को धुलंडी (रंगोत्सव)। यहां हर रोज जस्सूसर गेट के बाहर, नत्थूसर गेट, बड़ा बाजार, गंगाशहर में चंग की धमाल दिखाई देगी।

स्कूटी सवार युवक पर जानलेवा हमला

नोखा, (कासं)। नोखा थाना क्षेत्र में एक युवक पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। हिम्मटसर के दुदास बास निवासी पवन राठी ने इस संबंध में नोखा थाने में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घटना 21 फरवरी की शाम करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है।

राठी ने अपनी शिकायत में बताया कि वह 21 फरवरी की शाम करीब 6:30 बजे अपनी स्कूटी से ट्यूशन पढ़ाने वाली मैडम को हिम्मटसर के नायकों के मोहल्ले में छोड़कर वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी एक बिना नंबर की सफेद स्विफ्ट डिजायर कार ने उनकी स्कूटी के आगे आकर रास्ता रोक लिया। कार से दिनेश सिंह उर्फ दिनेशा, जितेंद्र सिंह राजपूत निवासी हिम्मटसर, अमर सिंह, गजेन्द्र पारीक निवासी काकड़ा और एक अन्य व्यक्ति धारदार हथियार व लोहे के पाइप लेकर बाहर निकले।

- **जान से मारने की नीयत से लोहे के पाइप से पवन राठी पर वार किया**

दिनेश सिंह ने जान से मारने की नीयत से लोहे के पाइप से पवन राठी पर वार किया, जिससे वह स्कूटी सहित नीचे गिर गए। पवन राठी ने भागकर पास के एक मकान में घुसकर अपनी जान बचाई। हमलावरों ने भी उन्हें मारने के लिए उस मकान में घुसने का प्रयास किया। हालांकि, पड़ौसियों को इकट्ठा होते देख सभी आरोपी अपनी गाड़ी सहित मौके से फरार हो गए।

होली चंग धमाल आज से

नोखा, (कासं)। उत्तरादा बास स्थित होली टोली ग्रुप ने आगामी होली चंग धमाल कार्यक्रम को लेकर आज एक बैठक की। इस वार्षिक आयोजन की शुरूआत 24 फरवरी 2026 को रात 8:30 बजे से होगी और यह होली तक लगातार चलेगा।

ग्रुप के सदस्य भंवर बाहेती और सुनील भट्टड़ ने बताया कि उनका समूह हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन करता है। यह आयोजन नोखा शहर के निवासियों के लिए मनोरंजन का एक प्रमुख स्रोत है। चंग धमाल के मुख्य कलाकारों में श्याम भट्टड़, सुरेन्द्र भट्टड़, जीवन, दिनेश तापडिया, ललित डागा और मनोज राठी शामिल हैं। ये सभी कलाकार कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित हैं। बांसुरी वादक वासु पालीवाल भी अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जिम्मा सुरेन्द्र चारण, गौरी चांडक, सुभाष भट्टड़ संभालेंगे।

नहरबंदी से बीकानेर में जल संकट के आसार!

बीकानेर, (कासं)। 21 मार्च से शुरू हो रही इंदिरा गांधी नहर की बंदी बीकानेर में भीषण गर्मी के बीच जल संकट खड़ा कर सकती है। चार अप्रैल तक पीने का पानी मिलेगा, लेकिन उसके बाद 30 दिन तक पूर्ण नहरबंदी रहेगी। ऐसे में शहर को जलाशयों के सहारे ही पानी सप्लाई करनी होगी और आपूर्ति ओड-इवन या दो दिन में एक बार हो सकती है।

इंदिरा गांधी नहर के मुख्य अभियंता विवेक गोयल ने बताया कि 4 अप्रैल तक केवल पीने का पानी दिया जायेगा। जबकि सिंचाई का पानी पहले दिन से ही बंद रहेगा। पांच अप्रैल से पीने के पानी की आपूर्ति भी पूरी तरह बंद कर दी जायेगी। जलदाय विभाग को पहले से एकत्रित पानी से ही शहर में जलापूर्ति करनी होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए बीछवाल और शोभासर स्थित जलाशयों को भरने की तैयारी की जा रही है।

- **पांच अप्रैल से थमेगी सप्लाई, 30 दिन जलाशयों के भरोसे रहेगा शहर**

नहरबंदी को लेकर पंजाब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नहरबंदी के दौरान पंजाब और राजस्थान में नहरों की मरम्मत का कार्य होगा। मुख्य नहर से लेकर मोघों तक की मरम्मत की जायेगी। इसके लिए दोनों राज्यों की सरकारों ने विशेष बजट भी जारी किया है। नहरबंदी के दौरान बीकानेर शहर में पानी की आपूर्ति कम कर दी जायेगी। जलदाय विभाग नया टाइम टेबल जारी करेगा और संभव है कि दो दिन में एक बार पानी दिया जाए। पिछली बार भी विभाग ने शहर को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर ओड-इवन तरीके से जलापूर्ति की थी।

बीछवाल जलाशय में वर्तमान में करीब 2500 मीट्रिक लीटर पानी एकत्रित किया जा सकता है, जिससे लगभग 45 दिन तक जलापूर्ति संभव है। हालांकि जलाशय में मिट्टी जमी होने और पूरी क्षमता से नहीं भर पाने की स्थिति में आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। नहरबंदी की अवधि बढ़ने की आशंका के चलते विभाग पहले से ही एक दिन छोड़कर एक दिन पानी दे रहा है। इसका सबसे अधिक असर कच्ची बस्तियों पर पड़ता है, जहां लोग सीमित मात्रा में ही पानी संग्रह कर पाते हैं।

अवैध देसी कट्टे सहित दबोचा

सूरतगढ़, (कासं)। सदर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध 315 बोर देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने यह कार्रवाई गश्त के दौरान साहूवाला रोड पर की। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना के उप निरीक्षक संपतराम धायल ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत वे अपनी टीम के साथ सरदारगढ़ लिंक रोड से साहूवाला रोड पर गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान पुलिस वाहन को देखकर एक व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिस टीम ने उसे काबू किया और भागने का कारण पूछा। व्यक्ति घबरा गया और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। संदेह के आधार पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर का देसी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान मुस्से खां बताया।

नशा का असर, व्यक्ति को अपराध की दुनियां में धकेलता है : ऋषिराज सिंह

बीकानेर, (कासं)। राजकीय डूंगर महाविद्यालय में नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र के तत्वावधान में नशा मुक्ति पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बीकानेर मूल के ऋषिराज सिंह, पूर्व पुलिस महानिदेशक, केरल कैडर ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर गहरा असर डालता है और उसे अपराध की दुनिया में धकेलता है। सिंह ने अपने व्याख्यान में जर्दा, गुटखा, शराब और मोबाइल की लत से दूर करने के लिए कई सुझाव दिए। युवाओं में नशे का सबसे बड़ा कारण अभिभावकों की लापरवाही और अध्यापकों की अनदेखी बताया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया और उन्हें नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। पूर्व डीजीपी ऋषिराज द्वारा प्राचार्य राजेन्द्र पुरोहित द्वारा नशे को महाविद्यालय में रोकने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र पुरोहित ने पूर्व डीजीपी ऋषिराज सिंह का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है तथा हमारी संस्कृति को नष्ट कर रहा है। उन्होंने युवाओं को व्यायाम करने, देशी भोजन करने एवं नशे से दूर रहने की बात कही।

बीकानेर के डूंगर कॉलेज में नशा मुक्ति पर व्याख्यान देते प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र पुरोहित व ऋषिराज सिंह, पूर्व पुलिस महानिदेशक, केरल कैडर ने नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. अन्नाराम शर्मा ने नशा मनुष्य के चारित्रिक एवं नैतिक विकास का पतन करता है। उन्होंने नशा-मुक्ति के लिए किए गए कार्यों के लिए नशा-मुक्ति केन्द्र के सदस्यों एवं अन्य संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि का प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र के संयोजक डॉ महेन्द्र थोरी, एनएसएस के संयोजक घनश्याम बिट्टू और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो अन्नाराम शर्मी, प्रो स्मिता जैन, प्रो राजेश भाकर, डॉ श्याम सुंदर ज्यानी, डॉ शशिकांत आचार्य इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रमेश पुरी ने किया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 23-2-2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चेक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 12 के किला नं. 1 में भूखण्ड संख्या 74 का माप 12'-0''गुणा 60'-0''फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री राकेश कुमार पुत्र श्री देव कुमार निवासी श्रीगंगानगर अजमेरी लाल पुत्र श्री रामस्वरूप एवं श्रीमती कमलेश पत्नी श्री अजमेरी लाल निवासी गली नं. 03, भाभा कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री राकेश कुमार पुत्र श्री देव कुमार निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 12 के किला नं. 1 में भूखण्ड संख्या 74 का माप 12'-0''गुणा 60'-0''फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

RajKaj Ref No.: 20680987 **-सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।**

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 29-1-2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चेक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 5 के किला नं. 15 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0''गुणा 50'-0''फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री अजमेरी लाल पुत्र श्री रामस्वरूप एवं श्रीमती कमलेश पत्नी श्री अजमेरी लाल निवासी गली नं. 03, भाभा कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री अजमेरी लाल पुत्र श्री रामस्वरूप एवं श्रीमती कमलेश पत्नी श्री अजमेरी लाल निवासी गली नं. 03, भाभा कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 5 के किला नं. 15 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0''गुणा 50'-0''फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

RajKaj Ref No.: 19999255 **-सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।**